

दिनांक 13/08/14 का पत्र नं. 10

13/08/14

पत्रिका शुभ बख्त बरकत इत सिद्धा मंगल
 जाते नू प्रभु व दुर्घ - इति शब्द बख्त सिद्ध
 काव्यम जे लुका है इति शब्द अर्थ है कि
 चलने योग्य नहीं है कि जा अर्थ है कि
 हो कर अर्थ है कि अर्थ है कि जा
 इ अर्थ है कि जा अर्थ है कि जा
 प्रभु है

श्री 1001 माल 2111
 पट्टिया माल
 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10
 प्र. राजे उचित मंगल

उपखण्ड अधिकारी
 दातारामगढ़